Cashew India ने आज दिल्ली मे जो buyer Seller Meet रखा है उसे महाराष्ट्र कॅश्यू मॅनुफॅक्चरर्स असोसिएशन की ओर से मै MCMA प्रेसिडेंट श्री.सुरेश बोवलेकर सच्चे दिल से धन्यवाद दे रहा हू! स्टेज पर बैठे हुये सभी स्टेज के असोसिएशन प्रेसिडेंट ,सभी राज्य के प्रोसेसर को प्रणाम..

▪महाराष्ट्र मे 1904 को कॅश्यू processing का technic सुरू हुआ.

▪1917 मे प्रोसेसिंग लाईसन मिल गया.इंडिया का पहिला processing युनिट सुरू हुवा.

▪1924 मे पहिला इम्पोर्ट raw Cashewnut वेंगुर्ला बंदर मे आया.

▪1926-27 काजू वेंगुर्ला से पहेला एक्सपोर्ट हो गया .वो एक्सपोर्ट अमेरिका मे हो गया.

▪1938 से काजू के ग्रेड होना सुरू हुआ.मार्केट के Requirment के हिसाब से W210 से लेके BB तक ग्रेड सुरू हुआं.

▪वेंगुर्ला के कॅश्यु रिसर्च सेंटर मे 1 से 9 तक बहुत अच्छा और ज्यादा प्रॉडक्ट देणे वाले को काजू पौधे निर्माण किये. इसका लाभ पुरा इंडिया और विदेश मे हुआ.

आज महाराष्ट्र मे करिबन 300 युनिट छोटा मोठा प्रोसेस मे है. महाराष्ट्र govertment का बहोत बडा सपोर्ट मिला है.महाराष्ट्र कॅश्यू मॅनुफॅक्चरर्स असोसिएशन का experience से तयार होणे वाला काजू जो GI ब्रँड है वो नॉर्थ इंडिया के मार्केटिंग के लिये महाराष्ट्र से 22 अच्छे नाम वाले संगठन करके आपके सामने महाराष्ट्र काजू का टेस्ट औंर उसका relation आपके साथ जोडणे के लिये आपके साथ आए है.

महाराष्ट्र कॅश्यू का बहोत बडा हिस्ट्री है फिर भी नॉर्थ इंडिया मे हम पहली दफा आये है ये भी सच है. हम विश्वास करते है महाराष्ट्र काजू का relation जोडके आहे बहोत बरस तक चलेगा.महाराष्ट्र इंडस्ट्री से आपको बढावा मिले हे हम दुवा करते है.

जय हिंद जय महाराष्ट्र.